ध्येय IAS
most trusted since 2003

DAILY prePARE
Current affairs summary for prelims

09 October 2024

टीबी रोगियों और उनके परिवारों के लिए प्रमुख पहलों का अनावरण

संदर्भ: हाल ही में केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जे पी नड्डा ने तपेदिक (टीबी) उन्मूलन के लिए विभिन्न पहलों की घोषणा की है। इन पहलों का उद्देश्य टीबी रोगियों और उनके परिवारों के लिए पोषण सहायता पात्रता बढ़ाना हैं। यह पहल सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक होगी।

मुख्य घोषणाएँ:

- **वित्तीय सहायता में वृद्धि:** नि-क्षय पोषण योजना (एनपीवाई) के तहत प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता को 500 से बढ़ाकर 1,000 प्रति रोगी कर दिया गया है। यह वृद्धि उपचार की पूरी अवधि के लिए लागू होती है, जो टीबी रोगियों के स्वास्थ्य और रिकवरी को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को पुष्ट करती है।
- **ऊर्जा सघन पोषण अनुपूरण (ईडीएनएस):** ऊर्जा सघन पोषण अनुपूरण 18.5 से कम बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) वाले रोगियों को लक्षित करने वाली एक महत्वपूर्ण पहल है। इस पोषण सहायता का उद्देश्य टीबी रोगियों द्वारा अक्सर सामना की जाने वाली आहार संबंधी कमियों को दूर करना है, जिससे बेहतर स्वास्थ्य परिणाम और रिकवरी को बढ़ावा मिलता है।

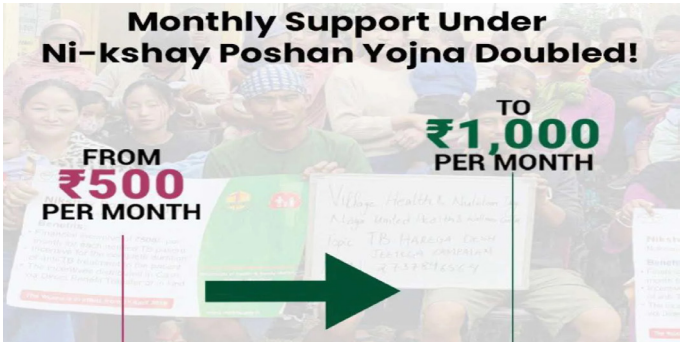

- **सहायता के लिए विस्तारित पात्रता:** टीबी रोगियों के सभी घरेलू संपर्क अब प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान (पीएमटीबीएमबीए) के तहत सहायता प्राप्त करने के लिए पात्र होंगे। इस पहल के अंतर्गत, परिवार के सदस्यों की प्रतिरक्षा बढ़ाने के लिए डिजाइन की गई खाद्य टोकरियाँ वितरित की जाएँगी। इसका उद्देश्य टीबी रोगियों और उनके परिवारों द्वारा किए जाने वाले व्यय को कम करना है, जिससे उपचार के लिए सहायक वातावरण सुनिश्चित हो सके।

तपेदिक (टीबी) के बारे में:

- तपेदिक (टीबी) एक संक्रामक रोग है जो मुख्य रूप से फेफड़ों को प्रभावित करता है और यह बेसिलस माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के कारण होता है।
- बेसिल कैलमेट-गुएरिन (बीसीजी) वैक्सीन: टीबी के खिलाफ प्रतिरक्षा प्रदान करती है।

ड्रग-रेसिस्टेंट टीबी:

- ड्रग-रेसिस्टेंट टीबी तब होता है जब माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस बैक्टीरिया एक या अधिक एंटी-टीबी दवाओं के प्रति प्रतिरोधी हो जाता है, जिससे उपचार जटिल हो जाता है।

भारत में टीबी उन्मूलन के लिए रणनीतिक दृष्टि:

- **राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी):** मार्च 2018 में शुरू किया गया, यह कार्यक्रम 2025 तक भारत में टीबी को समाप्त करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखता है। यह प्रारंभिक निदान, उपचार और रोकथाम रणनीतियों के माध्यम से टीबी की घटनाओं को कम करने पर केंद्रित है।
- **प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान (पीएमटीबीएमबीए):** 9 सितंबर, 2022 को आरंभ की गई इस पहल का उद्देश्य टीबी उन्मूलन के लिए सामूहिक प्रयासों को बढ़ावा देना है। यह स्थानीय सरकारों, गैर सरकारी संगठनों और स्वास्थ्य पेशेवरों सहित विभिन्न हितधारकों की भागीदारी पर जोर देकर एकजुट बनाने का प्रयास करता है।
- **निक्षय मित्र कार्यक्रम:** यह कार्यक्रम टीबी रोगियों की बहुआयामी जरूरतों को पूरा करने के लिए स्थापित किया गया है। इसमें निदान, पोषण और व्यावसायिक सहायता जैसी आवश्यक सेवाएँ शामिल हैं, ताकि रोगियों को समग्र देखभाल मिल सके।
- **निक्षय 2.0 पोर्टल:** यह डिजिटल प्लेटफॉर्म टीबी नियंत्रण प्रयासों में सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देता है और रोगियों की सहायता के लिए कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहलों का उपयोग करता है। निक्षय 2.0 का उद्देश्य टीबी रोगियों के लिए सहायता का एक मजबूत नेटवर्क बनाना है, जिससे स्वास्थ्य परिणामों में सुधार के लिए विभिन्न हितधारकों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित किया जा सके।
- **संशोधित राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम (आरएनटीसीपी):** इस कार्यक्रम की शुरुआत साल 1997 में की गई थी। इसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुशंसित 'प्रत्यक्ष रूप से देखे जाने वाले उपचार लघु-पाठ्यक्रम' (डीओटीएस) रणनीति को अपनाया गया। यह एक व्यवस्थित और लागत-प्रभावी दृष्टिकोण है, जिसने भारत में टीबी नियंत्रण प्रयासों को पुनर्जीवित किया है। इस कार्यक्रम में उपचार के पालन और रोगियों की नियमित निगरानी पर खास ध्यान दिया गया है।

गुजरात में जंगली गधों की आबादी में उल्लेखनीय वृद्धि

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR: 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR: 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

संदर्भः हाल ही में गुजरात सरकार द्वारा किए गए 10वें जंगली गधा जनसंख्या अनुमान (WAPE) के अनुसार राज्य में जंगली गधों की आबादी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

- नवीनतम जनगणना के अनुसार, जंगली गधों की संख्या 7,672 है, जो 2020 में दर्ज की गई 6,082 जंगली गधों की संख्या की तुलना में 26.14% की वृद्धि दर्शाती है। यह सफलता राज्य की वन्यजीव संरक्षण और आवास संरक्षण के प्रति निरंतर प्रयासों का प्रमाण है।

रिपोर्ट की मुख्य बातें:

- WAPE का आयोजन प्रत्यक्ष गणना पद्धति का उपयोग करके 15,510 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में किया गया था। सटीक गणना के लिए ड्रोन कैमरे और कैमरा ट्रैप जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया गया।
- **जनसंख्या वृद्धिः** 2024 में आयोजित 10वें जंगली गधा जनसंख्या अनुमान (WAPE) के अनुसार गुजरात में जंगली गधों की आबादी बढ़कर 7,672 हो गई है, जो 2020 में 6,082 के पिछले अनुमान से 26.14% की वृद्धि को दर्शाती है।
- **वर्तमान आवासः** जंगली गधे की आबादी अब कच्छ के छोटे रण और कच्छ के बड़े रण तक ही सीमित है, तथा उत्तर-पश्चिम भारत, पाकिस्तान और मध्य एशिया में इसका ऐतिहासिक क्षेत्र समाप्त हो गया है।
- **जनसंख्या जनसांख्यिकीः** वन और अभ्यारण्य क्षेत्रों में जनसंख्या में 2,569 महिलाएँ, 1114 पुरुष, 584 बच्चे और 2206 अवर्गीकृत व्यक्ति शामिल थे। वहीं राजस्व क्षेत्रों में, जनसंख्या में 558 महिलाएँ, 190 पुरुष, 168 बच्चे और 283 अवर्गीकृत व्यक्ति शामिल थे।
- जंगली गधों के अलावा, 2024 WAPE ने गुजरात में कई अन्य वन्यजीव प्रजातियों की भी गणना की। सर्वेक्षण में 2,734 एशियाई मृग, 915 जंगली सूअर, 222 भारतीय खरगोश, 214 भारतीय हिरन और 153 भारतीय सियार की आबादी दर्ज की गई।

जंगली गधों की संरक्षण स्थितिः

- ऐतिहासिक रूप से जंगली गधे उत्तर-पश्चिम भारत, पाकिस्तान और मध्य एशिया में पाए जाते थे, लेकिन वर्तमान में उनका निवास स्थान गुजरात में कच्छ के छोटे रण और कच्छ के बड़े रण तक ही सीमित है, जिससे इस क्षेत्र में संरक्षण प्रयास महत्वपूर्ण हो गए हैं।
- जंगली गधों को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची-I के अंतर्गत संरक्षित किया गया है।
- इसके अतिरिक्त, अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आईयूसीएन) ने उनकी सीमित जनसंख्या के कारण 2008 में उन्हें 'संकटग्रस्त' के रूप में वर्गीकृत किया था।

संरक्षण की सफलता का इतिहासः

- गुजरात में जंगली गधों की आबादी 1976 से लगातार बढ़ रही है, जब राज्य में केवल 720 जंगली गधे थे। गुजरात सरकार द्वारा किए गए निरंतर प्रयासों, जैसे आवास संरक्षण, शिकार-रोधी उपाय और सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम, ने इस प्रजाति के पुनरुद्धार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- भारत वन्यजीव सप्ताह (2-8 अक्टूबर) के अवसर पर, जंगली गधों की आबादी में यह वृद्धि गुजरात के वन्यजीव संरक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जाती है।

वंशानुगत कैंसर का एशिया में बढ़ता खतरा

संदर्भः हाल ही में कैंसर पर अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी (IACR) ने अनुमान लगाया है कि पांच में से एक व्यक्ति को अपने जीवनकाल में कैंसर होने का खतरा रहता है।

- वर्ष 2022 में विश्व स्तर पर 20 मिलियन नए कैंसर के मामले और 9.74 मिलियन कैंसर से संबंधित मृत्यु दर्ज की गई। अनुमान है कि वर्ष 2045 तक यह आंकड़े बढ़कर नए मामले 32 मिलियन और 16 मिलियन मौतों तक पहुंच जाएंगे। इस वृद्धि में वैश्विक कैंसर के बोझ का लगभग आधा हिस्सा एशिया में स्थित होगा, जो स्वास्थ्य प्रणालियों पर गंभीर दबाव डालने की संभावना को दर्शाता है।

वंशानुगत कैंसर और आनुवंशिक उत्परिवर्तनः

- BRCA1 (ब्रेस्ट कैंसर जीन1) और BRCA2 (ब्रेस्ट कैंसर जीन) जीनों की खोज ने वंशानुगत कैंसर, विशेषकर वंशानुगत स्तन-डिम्बग्रंथि कैंसर सिंड्रोम की समझ में महत्वपूर्ण बदलाव लाए हैं। इन जीनों में उत्परिवर्तन से स्तन, डिम्बग्रंथि और प्रोस्टेट कैंसर का जोखिम बढ़ जाता है, साथ ही कुछ मामलों में अग्नाशय और कोलोरेक्टल कैंसर का खतरा भी बढ़ता है।
- शरीर के जीनोम में उत्परिवर्तन होते हैं, जिनमें से एक उपसमूह वंशानुगत उत्परिवर्तन होता है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी संचरण के माध्यम से फैलता है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- शोध से संकेत मिलता है कि सभी कैंसर मामलों में लगभग 10% वंशानुगत उत्परिवर्तन से संबंधित हो सकते हैं। विशेष रूप से, डिम्बग्रंथि कैंसर के मामलों में यह प्रतिशत 20% तक पहुँच जाता है। अन्य सामान्य कैंसर जैसे स्तन, कोलोरेक्टल, फेफड़े, और प्रोस्टेट कैंसर में वंशानुगत उत्परिवर्तन का प्रचलन 10% है।

आनुवंशिक परीक्षण और लक्षित चिकित्सा की भूमिका:

- BRCA उत्परिवर्तनों के लिए आनुवंशिक परीक्षण वंशानुगत कैंसर के उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों की पहचान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह पहचान उन्नत निगरानी, निवारक सर्जरी और लक्षित उपचार जैसी व्यक्तिगत रोकथाम रणनीतियों को सक्षम बनाती है।
- पॉली एडेनोसिन डिफॉस्फेट-राइबोस पॉलीमरेज (PRAP) BRCA-संबंधित कैंसर के इलाज में प्रभावी साबित हुई हैं। PRAP यह एक प्रकार का एंजाइम है जो कोशिकाओं में डीएनए क्षति की मरम्मत में मदद करता है।
- इसके नैदानिक परीक्षणों ने यह दिखाया है कि ये दवाएँ विशेष रूप से तब सफल होती हैं जब इन्हें प्लैटिनम-आधारित कीमोथेरेपी के साथ मिलाया जाता है। इस वजह से, शोधकर्ता BRCA और अन्य DNA मरम्मत जीन में होने वाले बदलावों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं ताकि इन उपचारों की प्रभावशीलता को समझा जा सके।
- CRISPR-Cas9 तकनीक में हुई प्रगति ने कैंसर के जीनों की अध्ययन की दिशा में महत्वपूर्ण सुधार किया है। इसने शोधकर्ताओं को BRCA उत्परिवर्तनों के विश्लेषण के साथ-साथ उन अन्य जीन उत्परिवर्तनों की पहचान करने में सक्षम बनाया है जो उपचार की प्रभावशीलता को प्रभावित कर सकते हैं।

भारत में कैंसर उपचार और रोकथाम के लिए पहल:

- **CAR-T सेल थेरेपी:** IIT बॉम्बे में लॉन्च की गई भारत की पहली CAR-T सेल थेरेपी कैंसर के इलाज में एक महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाती है। यह जीन थेरेपी कैंसर से लड़ने हेतु रोगी की अपनी प्रतिरक्षा कोशिकाओं को संशोधित करती है और इसे विश्व स्तर पर सबसे सस्ती बत-ज सेल थेरेपी के रूप में माना जाता है, जिससे उन्नत कैंसर उपचार व्यापक जनसंख्या के लिए सुलभ हो जाता है।
- **आयुष्मान भारत योजना (प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना-पीएमजेएवाई):** पीएमजेएवाई के तहत, परिवार माध्यमिक और तृतीयक देखभाल अस्पताल में भर्ती होने के लिए प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवरेज प्राप्त कर सकते हैं, जिसमें कैंसर के उपचार की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। इस योजना का उद्देश्य कम आय वाले परिवारों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करना है।
- **कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और स्ट्रोक की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीसीडीसीएस):** एनपीसीडीसीएस कैंसर सहित प्रमुख गैर-संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण पर ध्यान केंद्रित करता है। यह कार्यक्रम देश भर में इन बीमारियों के बोझ को कम करने के लिए पुरानी स्थितियों के लिए स्क्रीनिंग, प्रारंभिक पहचान और उपचार सेवाओं को एकीकृत करता है।
- **प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई):** पीएमएसएसवाई कैंसर देखभाल सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए सरकारी चिकित्सा संस्थानों को उन्नत करने और स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह योजना राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड (एनसीजी) को भी मजबूत करती है, जिससे भारत में कैंसर उपचार केंद्रों के बीच समन्वय और संसाधन साझाकरण बढ़ता है।

पॉवर पैक्ड न्यूज

राष्ट्रीय अनुभव पुरस्कार योजना, 2025

- भारत सरकार ने राष्ट्रीय अनुभव पुरस्कार योजना, 2025 शुरू की है, जिसमें पहली बार केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र की उपक्रमों (CPSUs), जिसमें सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक भी शामिल हैं, के कर्मचारियों को मान्यता दी गई है।
- इस पहल का उद्देश्य सेवानिवृत्त और रिटायर हो रहे सरकारी कर्मचारियों के अनुभवों को एकत्रित करना और उन्हें प्रदर्शित करना है। अनुभव पोर्टल पर लेख प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 31 मार्च 2025 है।
- इसकी शुरुआत 2015 में हुई थी और तब से 10,886 लेख प्रकाशित हो चुके हैं। इसमें 59 अनुभव पुरस्कार और 19 जूरी प्रमाण पत्र उत्कृष्ट प्रस्तुतियों को दिए गए हैं।
- योजना में अब सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के तीन साल के भीतर अपने अनुभव साझा करने की अनुमति है, जो पहले एक साल की सीमा से बढ़ाई गई है।

- इसके अतिरिक्त, मूल्यांकन प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए विभिन्न वेतन स्तरों के आधार पर एक नई मार्किंग प्रणाली भी लागू की गई है।
- राष्ट्रीय अनुभव पुरस्कार योजना, सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारियों को उनके अनुभवों के लिए सम्मानित करने के लिए शुरू की गई एक योजना है। इस योजना के तहत, सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारियों को उनके अनुभवों को साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है. इस योजना के तहत, हर साल एक पुरस्कार समारोह आयोजित किया जाता है।

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (IIFT) का दुबई में पहला विदेश कैंपस

- भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (IIFT) अपना पहला विदेश कैंपस दुबई में इंडिया पविलियन, एक्सपो सिटी में खोलेगा। यह कदम एक समझौता ज्ञापन (MoU) के तहत किया जा रहा है।
- यह कैंपस 2025 की शुरुआत में काम शुरू करेगा। पहले यहां छोटे और मध्यम अवधि के प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाएंगे, फिर MBA (अंतर्राष्ट्रीय व्यापार) कार्यक्रम शुरू होगा।
- इस पहल का उद्देश्य यूएई में रहने वाले 3.5 मिलियन भारतीयों को लाभ पहुंचाना और IIFT की पहचान को वैश्विक स्तर पर बढ़ाना है।
- यह समझौता भारत और यूएई के बीच मौजूदा समझौतों को और मजबूत करता है, जिसमें व्यापार के तरीके और व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (CEPA) शामिल हैं।

IIFT के बारे में:

- भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (IIFT) की स्थापना 1963 में वाणिज्य मंत्रालय के तहत की गई थी। इसे 'डिम्ड यूनिवर्सिटी' का दर्जा मिला है और यह भारत के प्रमुख बिजनेस स्कूलों में से एक है।
- यह विदेशी व्यापार पर ध्यान केंद्रित करता है और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए शिक्षा और प्रशिक्षण में उत्कृष्टता के लिए जाना जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) की विश्व दूरसंचार मानकीकरण सभा (डब्ल्यूटीएसए) 2024

- अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) की विश्व दूरसंचार मानकीकरण सभा (डब्ल्यूटीएसए) 14 से 24 अक्टूबर 2024 तक नई दिल्ली में आयोजित की जाएगी। यह पहली बार है कि आईटीयू का यह प्रमुख तकनीकी सम्मेलन एशिया-प्रशांत क्षेत्र में हो रहा है।
- इस आयोजन में 150 से अधिक देशों के 3,000 से अधिक प्रतिनिधि, जिनमें 1,000 विदेशी प्रतिनिधि और 50 से अधिक वैश्विक मंत्री शामिल होंगे, भाग लेंगे। सम्मेलन का उद्देश्य 6जी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), बिग डेटा, साइबर सुरक्षा और क्वांटम प्रौद्योगिकियों जैसे क्षेत्रों में वैश्विक मानकों को स्थापित करना है।
- डब्ल्यूटीएसए 2024 को 5जी और 6जी नेटवर्क के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यह आयोजन भारत के बढ़ते वैश्विक तकनीकी महत्व को रेखांकित करता है और देश की डिजिटल लीडरशिप को नई ऊँचाइयों पर ले जाने का अवसर प्रदान करेगा।
- आईटीयू संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के अंतर्गत आता है और वैश्विक दूरसंचार मानकों को स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। डब्ल्यूटीएसए आईटीयू-टी का शासी सम्मेलन है, जो दूरसंचार और आईसीटी के लिए मानकों को स्थापित करता है।